अभ्यास पत्रक

पाठ: 7 - वर्षा-बहार

नाम :- ..... कक्षा :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

---

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही उत्तर चुनें। (5 अंक)

(i) वनों में कौन नृत्य कर रहे हैं?

(क) हंस (ख) पपीहे (ग) मोर (घ) मालिनें

(ii) मेंढक अपने प्यारे गीतों से क्या कर रहे हैं?

(क) डरा रहे हैं (ख) मन को लुभा रहे हैं (ग) नींद ला रहे हैं (घ) शोर मचा रहे हैं

(iii) बागों में खिलकर गुलाब क्या उड़ा रहा है?

(क) रंग (ख) अपनी पंखुड़ियां (ग) काँटे (घ) सुगंध (सौरभ)

(iv) सुंदर कतार बाँधकर कौन चलते हैं?

(क) किसान (ख) मोर (ग) हंस (घ) बादल

(v) कवि मुकुटधर पांडेय को भारत सरकार द्वारा कौन-सा सम्मान दिया गया था?

(क) भारत रत्न (ख) पद्म विभूषण (ग) पद्म भूषण (घ) पद्मश्री

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें। (5 अंक)

(i) बागों में सुख से क्या छा रहा है?

उत्तर- .....

(ii) किसान कैसे गीत गाते हैं?

उत्तर- .....

(iii) 'वर्षा-बहार' को पृथ्वी (भू) पर कैसा बताया गया है?

उत्तर- .....

(iv) कवि का जन्म कहाँ हुआ था?

उत्तर- .....

(v) कविता में किन दो प्राणियों को गीत गाते हुए बताया गया है?

egyanarchive

उत्तर- .....

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें। (3 x 2 = 6 अंक)

(i) वर्षा ऋतु का किसानों और मालिनों (बाग में काम करने वाली) पर क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर- .....

.....

(ii) कविता में मोर और मेंढक अपनी प्रसन्नता किस प्रकार व्यक्त कर रहे हैं?

उत्तर- .....

.....

(iii) "खिलता गुलाब कैसा, सौरभ उड़ा रहा है," पंक्ति का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- .....

.....

4. निम्नलिखित दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर विस्तार से दें। (4 अंक)

(i) 'वर्षा-बहार' कविता में वर्षा ऋतु के आगमन पर विभिन्न जीव-जंतुओं और मनुष्यों की खुशी का चित्रण किया गया है। कविता के आधार पर कम से कम चार उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

egyanarchive

उत्तर कुंजी (वर्कशीट - 2)

1. बहुविकल्पीय प्रश्न:

(i) (ग) मोर

(ii) (ख) मन को लुभा रहे हैं

(iii) (घ) सुगंध (सौरभ)

(iv) (ग) हंस

(v) (घ) पद्मश्री

2. एक वाक्य में उत्तर:

(i) बागों में सुख से आमोद (खुशी/प्रसन्नता) छा रहा है।

(ii) किसान मन को हरने वाले (मनहर) गीत गाते हैं।

(iii) 'वर्षा-बहार' को पृथ्वी पर अनोखी बताया गया है।

(iv) कवि का जन्म छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में हुआ था।

(v) कविता में मेंढकों और किसानों को गीत गाते हुए बताया गया है। (मालिनें भी गीत गा रही हैं)

3. संक्षिप्त उत्तर:

(i) वर्षा ऋतु के आगमन से मालिनें प्रसन्न होकर बागों में सुंदर गीत गाती हैं और किसान भी खुश होकर खेतों में काम करते हुए मन को हरने वाले गीत गाते हैं। यह ऋतु उनके जीवन में खुशी और उल्लास लाती है।

(ii) कविता में मोर वर्षा के आगमन पर खुशी से पंख फैलाकर वनों में नृत्य कर रहे हैं, और मेंढक भी प्रसन्न होकर 'टर्र-टर्र' की आवाज में प्यारे गीत गाकर मन को लुभा रहे हैं।

(iii) इस पंक्ति का अर्थ है कि वर्षा का जल पाकर बागों में गुलाब के फूल खिल उठे हैं और अपनी मनमोहक सुगंध (सौरभ) को हवा में चारों ओर फैला रहे हैं, जिससे वातावरण सुखद और आनंदमय हो गया है।

4. दीर्घ उत्तरीय उत्तर: (i) 'वर्षा-बहार' कविता में वर्षा के आगमन पर विभिन्न प्राणियों की खुशी का सुंदर चित्रण मिलता है। चार उदाहरण इस प्रकार हैं:

- **जीव-जलचर:** तालाबों में रहने वाले जलीय जीव पानी पाकर अत्यंत प्रसन्न हो जाते हैं ("तालों में जीव जलचर, अति हैं प्रसन्न होते")।
- **पक्षी:** मोर खुशी से वनों में नाचने लगते हैं ("करते हैं नृत्य वन में, देखो ये मोर सारे"), और पपीहे जैसे पक्षी गर्मी से राहत पाकर आनंदित होकर फिरते हैं ("फिरते लखो पपीहे, हैं ग्रीष्म ताप खोते")।
- **मेंढक:** मेंढक भी अपनी 'टर्र-टर्र' की आवाज में मीठे गीत गाकर अपनी खुशी व्यक्त करते हैं और वातावरण को आनंदित करते हैं ("मेंढक लुभा रहे हैं, गाकर सुगीत प्यारे")।
- **मनुष्य:** वर्षा आने पर बागों में काम करने वाली मालिनें और खेतों में काम करने वाले किसान, दोनों ही प्रसन्न होकर मनमोहक गीत गाने लगते हैं ("गाती हैं मालिनें अब", "गाते हैं गीत कैसे, लेते किसान मनहर")। ये सभी उदाहरण दर्शाते हैं कि वर्षा-बहार सभी के लिए आनंद और उल्लास का संदेश लेकर आती है।